भारत - डेनमार्क संबंध

1957 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की डेनमार्क यात्रा से भारत और डेनमार्क के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध की नींव रखी गई। द्विपक्षीय संबंध सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण हैं जो राजनीतिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में विचारों में समानता पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर अनेक यात्राएं हुई हैं। कुछ महत्वपूर्ण यात्राएं इस प्रकार हैं :

डेनमार्क के प्रधानमंत्री की यात्रा (4 से 8 फरवरी, 2008) : डेनमार्क के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री एंडर्स फोघ रासमोस्सेन ने एक बड़े कारोबारी शिष्टमंडल के साथ 4 से 8 फरवरी, 2008 के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया। उन्होंने बंगलौर एवं आगरा में इंफोसिस, बायोकॉन तथा आई आई एम का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान श्री रासमोस्सेन ने राष्ट्रपति जी से मुलाकात की, प्रधानमंत्री, यूपीए अध्यक्ष तथा विदेश मंत्री के साथ बैठक की। उन्होंने एक 'भारत कार्य योजना' का श्रीगणेश किया जिसमें राजनीतिक वार्ता सुदृढ़ करने, व्यापार एवं निवेश में सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण, शिक्षा एवं संस्कृति में अनुसंधान को सुदृढ़ करने का आह्वान किया गया।

डेनमार्क के प्रधानमंत्री की यात्रा (11 सितंबर, 2009) : डेनमार्क के तत्कालीन प्रधानमंत्री लार्स लोक्के रासमोस्सेन ने सी ओ पी-15 के मेजबान के रूप में 11 सितंबर, 2009 को भारत का एक दिवसीय कार्यकारी दौरा किया। उन्होंने प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के साथ बैठक की तथा जलवायु परिवर्तन, क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की यात्रा (17 से 18 दिसंबर, 2009) :
सीओपी-15 में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 17 - 18 दिसंबर, 2009 को डेनमार्क की यात्रा की। प्रधानमंत्री जी की यह यात्रा संक्षिप्त थी तथा सी ओ पी - 15 के लिए समर्पित थी; डेनमार्क की गणमान्य हस्तियों के साथ कोई द्विपक्षीय बैठक नहीं हुई।

जल संसाधन मंत्री श्री सलमान खुर्शीद की यात्रा (8 - 9 जून, 2011) - तत्कालीन जल संसाधन मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने 8 - 9 जनू, 2011 को डेनमार्क का दौरा किया। उन्होंने डेनमार्क की पर्यावरण मंत्री सुश्री कैरन इलेमन के साथ एक विस्तृत बैठक की।

माननीय स्पीकर श्रीमती मीरा कुमार के नेतृत्व में संसदीय शिष्टमंडल की यात्रा (16 से 18 जून, 2011) - माननीय स्पीकर श्रीमती मीरा कुमार के नेतृत्व में संसदीय शिष्टमंडल ने 16 से 18 जून, 2011 के दौरान डेनमार्क का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, शिष्टमंडल ने डेनमार्क की महारानी से मुलाकात की तथा डेनमार्क की स्थायी समिति के साथ बैठकें भी की, जिसका नेतृत्व श्री थोर पेडेरसन द्वारा किया गया।

भारत - डेनमार्क संयुक्त आयोग की उद्घाटन बैठक : भारत - डेनमार्क संयुक्त आयोग की उद्घाटन बैठक 14-15 दिसंबर, 2010 को नई दिल्ली में हुई। डेनमार्क की विदेश मंत्री सुश्री लेनी इस्पर्सेन तथा तत्कालीन विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा द्वारा बैठक की सह अध्यक्षता की गई। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के अलावा दोनों देशों के लिए महत्व वाले क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। तीन नए संयुक्त कार्य समूहों के गठन पर सहमति हुई जो इस प्रकार हैं - (i) पोत परिवहन; (ii) खाद्य, कृषि एवं मछली पालन; और (iii) पर्यावरण। दोनों पक्ष पहले स्थापित की गई तीन संयुक्त समितियों को संयुकत कार्य समूहों में परिवर्तित करने पर भी सहमत हुए अर्थात (i) जैव प्रौद्योगिकी; (ii) नवीन एवं नवीकरणी ऊर्जा; और (iii) श्रम गतिशीलता। अपनी यात्रा के दौरान डेनमार्क की विदेश मंत्री सुश्री लेनी इस्पर्सेन ने एक 17 सदस्यीय कारोबारी शिष्टमंडल का भी नेतृत्व किया। उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ तथा डेनमार्क दूतावास, नई दिल्ली के सहयोग से डेनमार्क उद्योग परिसंघ द्वारा ऊर्जा एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकी पर आयोजित ''भारत - डेनमार्क व्यवसाय दिवस'' नामक एक कारोबार सेमिनार का उद्घाटन किया। उन्होंने आई टी, भेषज पदार्थ, ऊर्जा एवं पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में अनेक कारोबारी प्रतिष्ठानों का भी दौरा किया।

भारत और डेनमार्क के बीच विद्यमान महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संधियां एवं करार :

- तकनीकी सहयोग करार - 1970
- तादरी, कर्नाटक में एक एकीकृत मछली पालन परियोजना पर करार - 1981
- निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार (बी आई पी ए) - 1995
- दोहरा कराधान परिहार करार (डी टी ए ए) पर प्रोटोकॉल - 1995
- सी आई आई तथा डेनमार्क उद्योग परिसंघ के बीच सहयोग के लिए एम ओ यू–1995
- विदेश कार्यालय परामर्श पर प्रोटोकॉल (1995)
- फिक्की तथा डेनमार्क उद्योग (डी आई) के बीच संयुक्त व्यवसाय परिषद करार - 2002
- द्विपक्षीय सहयोग के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर एम ओ यू – 2004
- सहयोग के लिए एक द्विपक्षीय संयुक्त आयोग के गठन के लिए करार - फरवरी, 2008
- नवीन एवं नवीकरणी ऊर्जा में सहयोग के लिए एम ओ यू – फरवरी 2008
- राजनयिक मिशन या कांसुलर पोस्टों के पारिवारिक सदस्यों के लिए लाभप्रद रोजगार पर व्यवस्था - फरवरी, 2008
- स्वच्छ विकास तंत्र पर एम ओ यू – अक्टूबर, 2008
- पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू – सितंबर, 2009
- श्रम गतिशीलता साझेदारी पर एम ओ यू - सितंबर, 2009
- सामाजिक सुरक्षा करार - फरवरी, 2010

द्विपक्षीय यात्राएं : भारत की ओर से डेनमार्क की यात्राएं (वर्ष 2008 से) :

1	नवीन एवं नवीकरणी ऊर्जा राज्य मंत्री श्री विलास मुत्तेमवार	7 से 9 अप्रैल, 2008
2	प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलार रवि	28 और 29 सितंबर, 2009
3	पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री श्री जयराम रमेश	9 से 11 अक्टूबर, 2009
4	पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री श्री जयराम रमेश	15 से 17 नवंबर, 2009
5	प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह (सी ओ पी - 15 के लिए)	17 और 18 दिसंबर, 2009
6	जल संसाधन मंत्री श्री सलमान खुर्शीद	8 और 9 जून, 2011
7	लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार के नेतृत्व में एक संसदीय शिष्टमंडल	16 से 19 जून, 2011

डेनमार्क की ओर भारत की यात्राएं (वर्ष 2008 से) :

1	प्रधानमंत्री श्री एंडर्स फोघ रासमोस्सेन	4 से 8 फरवरी, 2008
2	जलवायु एवं ऊर्जा मंत्री सुश्री कोनी हेडेगार्ड	4 से 6 फरवरी, 2009
3	पर्यावरण मंत्री श्री ट्रोयल्स लुंद पॉलसेन	18 से 21 फरवरी, 2009
4	प्रधानमंत्री श्री लार्स लोक्के रासमोस्सेन	11 सितंबर, 2009
5	जलवायु एवं ऊर्जा मंत्री सुश्री कोनी हेडेगार्ड	22 और 23 अक्टूबर 2009
6	जलवायु एवं ऊर्जा मंत्री सुश्री लिक्के फिरिस	5 से 7 फरवरी, 2010
7	रोजगार मंत्री सुश्री इंगर स्टोजबर्ग	15 से 17 फरवरी, 2010
8	परिवहन मंत्री श्री हंस क्रिस्टियन स्मिद	18 से 22 जून, 2010
9	विदेश मंत्री सुश्री लीन एस्पर्सेन	14 और 15 दिसंबर, 2010
10	आर्थिक एवं व्यवसाय मामले मंत्री श्री ब्रायन मिकेलसन	3 से 7 जनवरी, 2011

वाणिज्यिक एवं आर्थिक संबंध : आकार की दृष्टि से छोटा होने के बावजूद डेनमार्क एक समृद्ध देश है जिसकी अर्थव्यवस्था खुली है जो विदेशी व्यापार एवं निवेश पर बहुत अधिक निर्भर है। 2014 में इसका कुल वैश्विक व्यापार 351.4 बिलियन अमरीकी डॉलर था। 2014 में इसका जी डी पी 349 बिलियन अमरीकी डॉलर तथा प्रति व्यक्ति जी डी पी 62,000 अमरीकी डॉलर था।

द्विपक्षीय व्यापार : 2014 में भारत और डेनमार्क के बीच द्विपक्षीय व्यापार का कुल मूल्य 3415 मिलियन अमरीकी डॉलर था। 2014 में व्यापार संतुलन लगभग समान था - भारत के आयात का मूल्य 1718 मिलियन अमरीकी डॉलर और निर्यात का मूल्य 1697 मिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत और डेनमार्क के बीच माल का व्यापार वर्ष 2003 में 530.9 मिलियन अमरीकी डालर से दोगुना से भी अधिक बढ़कर वर्ष 2014 में 1341 मिलियन अमरीकी डालर के स्तर पर पहुंच गया है। वर्ष 2013 की तुलना में, डेनमार्क को हमारे निर्यात में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा यह वर्ष 2013 में 811.4 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर वर्ष 2014 में 904 मिलियन अमरीकी डालर हो गया है। तथापि, डेनमार्क की ओर से भारत को होने वाले निर्यात में 11 प्रतिशत वृद्धि हुई है तथा वर्ष 2013 में 393.3 मिलियन अमरीकी डालर से घटकर वर्ष 2014 में 437 मिलियन अमरीकी डालर रह गया है (स्रोत : सांख्यिकी डेनमार्क)। द्विपक्षीय सेवा व्यापार का मूल्य वर्ष 2014 में 2074 मिलियन अमरीकी डालर था जो वर्ष 2013 में दर्ज किए गए 1733 मिलियन अमरीकी डालर से 20 प्रतिशत अधिक है। भारत की ओर से डेनमार्क को सेवा निर्यात में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा यह वर्ष 2013 में 562 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर वर्ष 2014 में 793 मिलियन अमरीकी डालर हो गया, जबकि डेनमार्क की ओर से भारत को सेवा निर्यात में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा यह वर्ष 2013 में 1171 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर वर्ष 2014 में 1281 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। (स्रोत : सांख्यिकी डेनमार्क)।

निवेश : डेनमार्क की सांख्यिकी के अनुसार वित्त वर्ष 2011, 2012, 2013 एवं 2014 में डेनमार्क से भारत में प्रत्यक्ष निवेश की राशि क्रमश: 877 मिलियन अमरीकी डॉलर, 931 मिलियन अमरीकी डॉलर, 712 मिलियन अमरीकी डॉलर एवं 854 मिलियन अमरीकी डॉलर थी। बंदरगाह / पत्तन आधुनिकीकरण एवं विस्तार, बीयर निर्माण शाला, विंड टरबाइन / रोटर ब्लेड विनिर्माण, कृषि इंटरमीडिएट / कीटनाशक तथा इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश किए गए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण, जहाजरानी, इलेक्ट्रानिक्स तथा अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त निवेश की गुंजाइश है। वित्त वर्ष 2011, 2012, 2013 एवं 2014 में डेनमार्क में भारतीय निवेश क्रमश: 112 मिलियन अमरीकी डॉलर, 103 मिलियन अमरीकी डॉलर, 89 मिलियन अमरीकी डॉलर और 71 मिलियन अमरीकी डॉलर था। डेनमार्क में भारतीय कंपनियों की उपस्थिति वस्तुत: सीमित है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टी सी एस), एल एंड टी इंफोटेक, इंफोसिस प्रौद्योगिकी, आई टी सी इंफोटेक तथा महिंद्रा सत्यम जैसी कंपनियां डेनमार्क में प्रचालन कर रही हैं। पुणे आधारित विंड टरबाइन निर्माता कंपनी सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड ने 2005 में डेनमार्क के आरहुस में अपना विदेशी विपणन कार्यालय खोला है। डा. रेड्डी लेबोरेटरीज लिमिटेड (डी आर एल) ने टाइप-2 डायबिटीज के उपचार के लिए बालागलिटाजोन के संयुक्त विकास के लिए डेनमार्क आधारित फर्म रियो साइंस ए/एस के साथ एक करार किया है। प्राज इंडस्ट्रीज ने भी जैव इथानोल के प्रसंस्करण पर नोवाजाइम्स के साथ एक करार किया है।

वाणिज्यिक गतिविधियां :

भारतीय दूतावास ने 25 सितंबर, 2014 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'मेक इन इंडिया' अभियान को बढ़ावा देने के लिए 31 अक्टूबर, 2014 को अपने परिसर में एक कारोबार सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डेनमार्क की चुनिंदा कंपनियों के एक समूह, उद्योग परिसंघों एवं व्यवसायों ने काफी संख्या में भागीदारी की तथा यह विनिर्माण एवं अवसंरचना के क्षेत्रों में भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों को हाइलाइट करने में उपयोगी रहा।

डेनमार्क की 18 कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ डेनमार्क के व्यापार एवं विकास मंत्री श्री मोगन्स जेनसन के नेतृत्व में एक कारोबारी शिष्टमंडल ने 10 से 12 जनवरी 2015 के दौरान ''वाइब्रेंट गुजरात 2015'' नामक मुख्य व्यवसाय एवं निवेश मंच में भाग लिया जिसमें समावेशी एवं संपोषणीय विकास पर बल दिया गया था। कारोबारी शिष्टमंडल का प्रयोजन जल, ऊर्जा, खाद्य प्रौद्योगिकी एवं शहरीकरण जैसे क्षेत्रों में डेनमार्क की दक्षता को प्रोत्साहित करना था।

भारत की आई टी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले नैसकॉम के एक 22 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 30 अप्रैल 2015 को कोपनहेगन का दौरा किया। शिष्टमंडल की यह यात्रा कारोबार के अवसरों की तलाश करने के प्रयासों का अंग थी। दूतावास ने शिष्टमंडल के लिए चांसरी परिसर में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया जहां उन्होंने राजदूत श्री नीरज श्रीवास्तव

से मुलाकात की जिन्होंने उनको डेनमार्क के आई टी आउटसोर्सिंग उद्योग तथा साझेदारी / संयुक्त उद्यम के माध्यम से निवेश से संबंधित अवसरों के बारे में बताया।

महत्वपूर्ण सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों का नाम भारत के नेताओं के नाम पर रखा गया है : गांधी पार्क जो कोपेनहेगन में बोरूप्स आले एवं हविदकिल्देवेज के जंक्शन पर स्थित है, में बैठने की मुद्रा में महात्मा गांधी जी की तांबे की एक प्रतिमा लगी है। आरहुस शहर में आरहुस विश्वविद्यालय के पास एक नेहरू सड़क है।

आई सी सी आर चेयर : वर्ष 2011 में हस्ताक्षरित एम ओ यू के तहत आरहुस विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन के लिए एक आई सी सी आर चेयर स्थापित किया गया तथा इसे शैक्षिक सत्र 2016-17 तक के लिए नवीकृत किया गया है। जाधवपुर, कोलकाता विश्वविद्यालय से एक प्रोफेसर को सितंबर, 2012 से दिसंबर, 2012 तक इसके लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। डा. राधिका चोपड़ा फरवरी 2016 से जुलाई 2016 तक इंडियन चेयर होंगी।

भारतीय अधिकारियों के लिए वीजा की आवश्यकताएं : राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों को तीन माह तक के प्रवास के लिए डेनमार्क के लिए किसी वीजा की जरूरत नहीं होती है, जिसके पश्चात एक रेजीडेंट परमिट आवश्यक हो जाता है। दूसरे लोगों को वीजा की जरूरत होती है। डेनमार्क की यात्रा करते समय यूरोपीय संघ के अन्य देशों से होकर गुजरने के लिए वीजा की जरूरत पड़ सकती है। पर्यटकों, कारोबारियों एवं छात्रों को जारी किए जा रहे वीजा के प्रकार एवं ब्यौरा के बारे में जानकारी डेनमार्क दूतावास की बेवसाइट पर उपलब्ध है।

भारत के साथ हवाई संपर्क : कोपेनहेगन से भारत के लिए कोई सीधी उड़ान नहीं है। फिन्नएयर हेलसिंकी से होते हुए भारत के लिए सीधी उड़ान का संचालन करती है। भारत के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट लेने के लिए सुविधाजनक लिंक लंदन, पेरिस एवं फ्रैंकफुर्ट से हैं। अन्य संपर्क वियना, मास्को, इस्तंबुल, दोहा एवं दुबई से हैं।

एन आर आई / पीआईओ की अनुमानित संख्या : डेनमार्क में भारतीय समुदाय की आबादी 1 जनवरी, 2016 तक की स्थिति के अनुसार 8572 (6326 - एन आर आई एवं 2246 - पी आई ओ) है। भारतीय मूल के व्यक्ति पंजाब तथा यूरोप के पड़ोसी देशों से 1970 और 80 के दशकों में डेनमार्क आए। हाल की अवधि में भारत से आईटी पेशेवरों, डाक्टरों, छात्रों एवं अन्यों के आगमन की वजह से डेनमार्क में एन आर आई की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। डेनमार्क में अनेक भारतीय सांस्कृतिक संघ हैं जो त्यौहार के मौसमों के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

संबंधों की वर्तमान स्थिति : भारत - डेनमार्क संबंध किम डेवी प्रत्यर्पण मामले और इसके कारण इसके समाधान में गतिरोध की वजह से जुलाई, 2011 से प्रभावित हुए हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, कोपेनहेगन की वेबसाइट :
http://www.indian-embassy.dk/
भारतीय दूतावास, कोपेनहेगन का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/pages/Embassy-of-India-Copenhagen/264658443616392
भारतीय दूतावास, कोपेनहेगन का ट्विटर :
www.twitter.com/Indian
डेनमार्क में भारतीयों के संघों की वेबसाइट :
http://indiansindenmark.dk

*****

जनवरी, 2016